TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

T h u r s d a y

25 जुलाई

1. **प्रथम टेस्ट–ट्यूब बेबी का जन्म–** इन–विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीकी के द्वारा पैदा के गयी प्रथम टेस्ट–ट्यूब बेबी 'लुइस जॉय ब्राउन' का जन्म ओल्डहोम, इंग्लैंड में 25 जुलाई, 1978 ई. को हुआ। 'इन विट्रो' फर्टिलाइजेशन प्रक्रिया में अंडाणु को पेटरी डिश में फर्टिलाइज कर गर्भ में ट्रांसप्लांट कर दिया जाता है। लैटिन भाषा में 'इन विट्रो' का अर्थ 'ग्लास में' से है। आपको बता दूँ कि दुनिया का दूसरा टेस्ट ट्यूब बेबी लुइस के जन्म के 67 दिनों के बाद भारत में जन्मा था।

2. **राष्ट्रपति का निर्वाचन–** आज के ही दिन भारत के कई पूर्व राष्ट्रपति जैसे नीलम संजीव रेड्डी, ज्ञानी जैल सिंह, रामास्वामी वेंकटारामन, शंकर दयाल शर्मा, के आर नारायणन, अब्दुल कलाम, प्रतिभा पाटिल, प्रणव मुखर्जी और रामनाथ कोविन्द ने 25 जुलाई को ही अपने पद की शपथ ली थी और अपना कार्यभार संभाला।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** वर्ग आठ के बच्चों के साथ **राष्ट्रपति के निर्वाचन प्रक्रिया** पर चर्चा करें।

3. **थ्रेडिंग अ नीडिल डे–** अमेरिका में इस दिन एक खास किस्म की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें एक सुई में धागा को पीरोना होता है। ऐसा खेल अपने विद्यालयों में भी आयोजित किया जाता है जिसे सुई–धागा दौड़ कहते हैं। तो आप भी इस खेल का आयोजन कर इसके मजे ले सकते हैं।

- **क्या आप जानते हैं?**
  1. 25 जुलाई, 1857 को दानापुर छावनी की सैनिक टुकड़ी ने विद्रोह कर दिया। बाबूवीर कुँवर सिंह का सम्पर्क इनसे पहले से ही था। सैनिक सोन नहर पार कर आरा की ओर चल पड़े। आरा पहुँचकर सैनिकों ने बाबू कुँवर सिंह का जयघोष करते हुए जेल की सलाखें तोड़ डाली और कैदियों को आजाद करा लिया।

  संदर्भः किसलय भाग 2, अध्याय 5 वीर कुँवर सिंह, पृष्ठ 17

मधु प्रिया

राष्ट्रपति का निर्वाचन 25 जुलाई

25 जुलाई को द्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण ली। यहां सवाल यह उठता है कि आखिरकार भारत के तमाम राष्ट्रपति 25 जुलाई को ही शपथ ग्रहण क्यों करते हैं। दरअसल, यह परंपरा आज की नहीं वर्षों पुरानी है और तब से ऐसी ही बनी हुई है। वर्ष 1977 से यह सिलसिला जारी है, जब 25 जुलाई 1977 को नीलम संजीवा रेड्डी ने देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। इनके बाद 1982 में ज्ञानी जैल सिंह, 1987 में आर वेंकटरमन, 1992 में शंकर दयाल शर्मा, 1997 में के आर नारायणन, 2002 में एपीजे अब्दुल कलाम, 2007 में प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, 2012 में प्रणब मुखर्जी ने भी 25 जुलाई को ही राष्ट्रपति की शपथ ली थी। फिर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी 2017 में ऐसा ही किया था। वैसे 1977 से पहले राष्ट्रपति के कार्यकाल अलग अलग रहे। भारत के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ है, जब कोई भी दिन बिना राष्ट्रपति के रहा हो। भारत में राष्ट्रपति का पद कभी भी खाली नहीं रहा। जिस दिन जिस राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होता है, उसी दिन दूसरे राष्ट्रपति को शपथ दिला दी जाती है। पहले 1950 में राजेंद्र प्रसाद सबसे पहले राष्ट्रपति बने और उनके बाद हमेशा कोई ना कोई देश का राष्ट्रपति रहा। अगर आप कार्यकाल पर नज़र डालेंगे तो जिस दिन एक राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म होता है, उसी दिन दूसरे राष्ट्रपति की शपथ भी हो सकती है। वहीं, साल 1977 से 25 जुलाई के दिन ऐसा हो रहा है, इसलिए 25 जुलाई के दिन राष्ट्रपति पद के लिए शपथ दिलाई जाती है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 56 के अनुसार, राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण करने की तिथि से 5 साल की अवधि के लिए पद धारण करता है। तथापि, अपनी पदावधि के अवसान के पश्चात् भी वह अपने पद पर तब तक बना रहता है, जब तक उसका उत्तराधिकारी उसका पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

जयंती विशेष 25 जुलाई

राकेश कुमार

सोमनाथ चटर्जी

25 जुलाई 1929 - 13 अगस्त 2018

सोमनाथ चटर्जी *Somnath Chatterjee*, जन्म: 25 जुलाई, 1929, तेजपुर, असम; मृत्यु: 13 अगस्त, 2018, पश्चिम बंगाल) 'भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी' के प्रमुख नेताओं में से एक थे। वे चौदहवीं लोकसभा में पश्चिम बंगाल के बोलपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे। श्री चटर्जी चौदहवीं लोकसभा के लोकसभा अध्यक्ष भी थे।

Teachers of Bihar

The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 25.07.2024

रचनात्मक आकलन

रचनात्मक आकलन बच्चों को अपने स्वयं के सीखने को सक्रिय रूप से प्रबंधित और समायोजित करने की क्षमता प्रदान करते हैं, साथ ही अपने स्वयं के सीखने के लक्ष्यों को ट्रैक करने की भी क्षमता प्रदान करते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

लगभग 6000 करोड़ रुपए की लागत में बनी भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्रा में आग लग गई है। आग के कारण ब्रह्मपुत्रा बुरी तरह से छतिग्रस्त हो गया है और साथ ही एक नाविक भी लापता है।

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 440

किस शहर को "भारत का ग्रीनविच" कहते हैं?

A. मथुरा

B. अयोध्या

C. उज्जैन

D. वाराणसी

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ओलम्पिक

क्या होते हैं ओलंपिक खेल ?

दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता को ओलंपिक खेल कहते हैं। जिसमें दुनियाभर के बेहतरीन एथलीट भाग लेते हैं और अपने-अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसे खेलों का महाकुंभ भी कहते हैं।

ओलंपिक खेल क्या है?

ओलंपिक खेल हर चार साल में आयोजित होते हैं। ओलंपिक खेलों की इस समयावधि को ओलंपियाड कहते हैं। ओलंपिक खेलों की देखरेख IOC यानी अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति करती है।

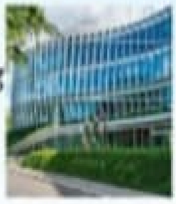

ओलंपिक का डिजाइन

ओलंपिक में तीन मेडल गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल होते हैं। इसके अलावा ओलंपिक के झंडे में 5 रिंग, नीले, डार्क पीले, काले, हरे और लाल रंग के होते हैं। जो पांच महाद्वीप अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, यूरोप,ओशिनिया के आपस में जुड़े होने का प्रतीक है।

ओलंपिक खेल के प्रकार

ओलंपिक खेल मुख्यत चार प्रकार के होते हैं। इनमें ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन, पैरालंपिक और यूथ ओलंपिक खेल शामिल है।

ओलंपिक की शुरुआत

ओलंपिक खेल पहली बार साल 1896 में ग्रीस की राजधानी एथेंस में आयोजित किया गया था। तब से ये खेल हर चार साल में आयोजित होते हैं। पहले विश्व युद्ध और दूसरे विश्व युद्ध के कारण 1916, 1940 और 1944 में इन खेलों का आयोजन नहीं हुआ था।

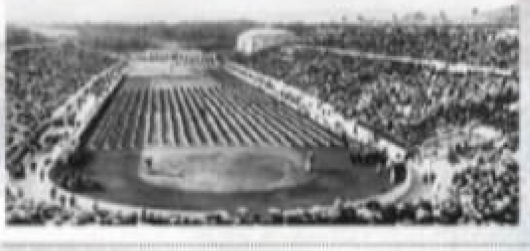

ओलंपिक खेलों का उद्देश्य

ओलंपिक खेलों का उद्देश्य सम्मान, आपसी भाईचारा और मित्रता है। साथ ही खेलों के माध्यम से विश्व शांति बनाए रखना है। इसके साथ ही विश्व को एकजुट रखना है। ओलंपिक डे 23 जून को मनाया जाता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
Department of School Education & Literacy
Ministry of Education,
Government of India

PM SHRI

विद्यालयों में
शिक्षा सप्ताह

Celebrating Day: 3

Sports Day

बुनियादी विद्यालय बखरी, मुरौल, मुजफ्फरपुर
www.teachersofbihar.org
द्वारा शिक्षाहित में प्रेषित

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
Department of School Education & Literacy
Ministry of Education,
Government of India

PM SHRI

विद्यालयों में

शिक्षा सप्ताह

Celebrating Day: 3

Sports Day

प्राथमिक विद्यालय छुरछुरिया फारबिसगंज, अररिया

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

www.teachersofbihar.org
द्वारा शिक्षाहित में प्रेषित

परिश्रमशील विद्वान् शोधकर्मी समीक्षक

आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

की जयंती पर सादर नमन।

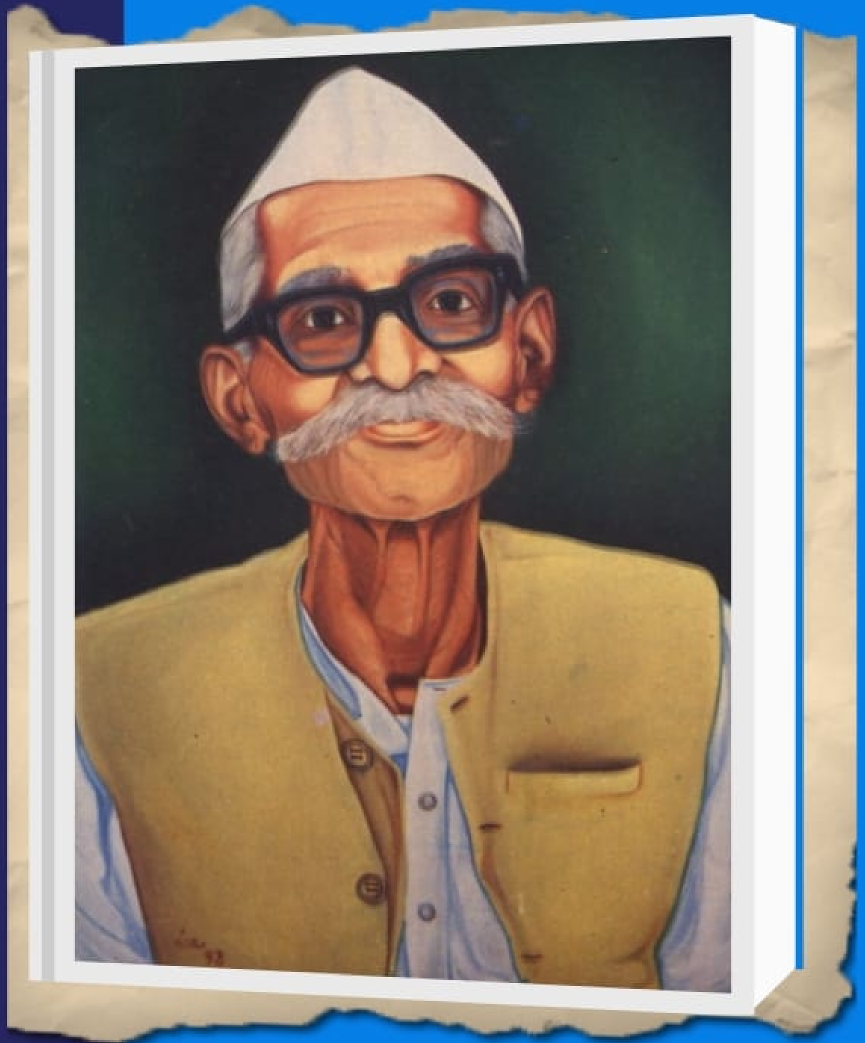

जन्म: 25 जुलाई 1894 - मृत्यु: 3 जनवरी 1979

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

25 जुलाई

आचार्य

परशुराम चतुर्वेदी

की जयंती पर उन्हें सादर नमन

25 जुलाई 1894 - 3 जनवरी 1979

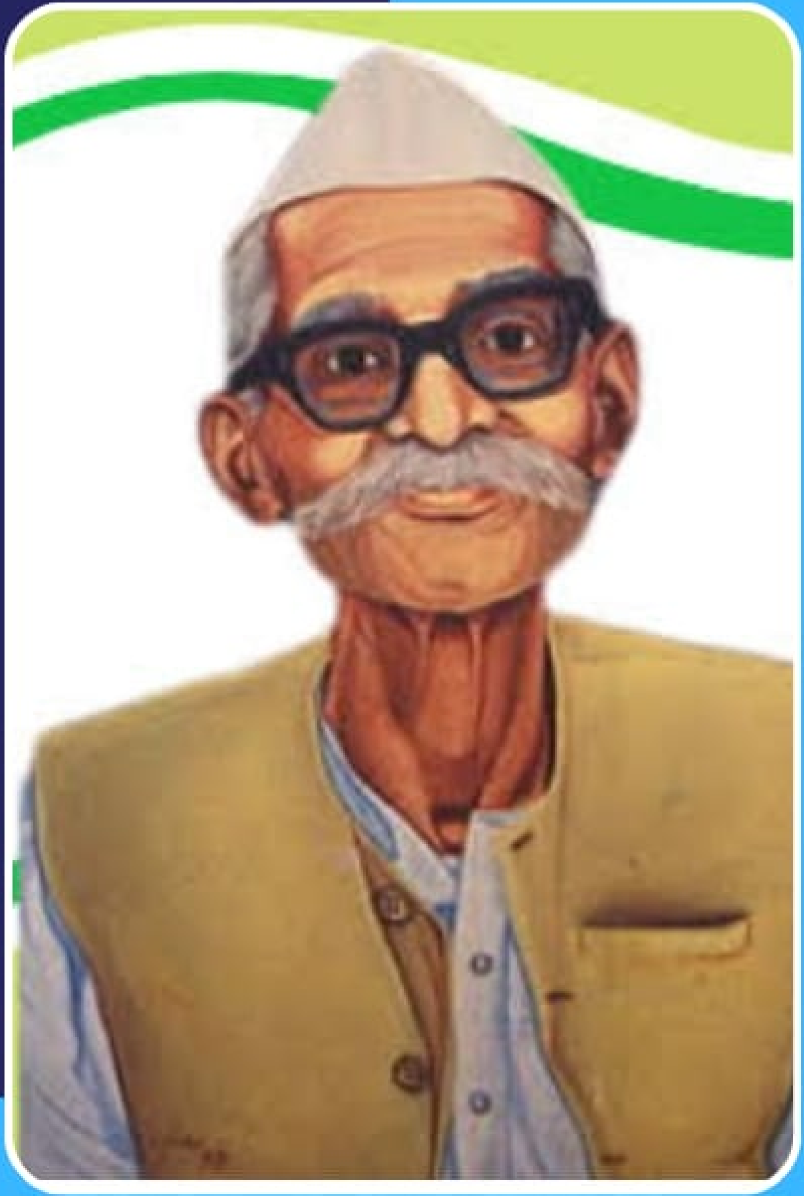

www.teachersofbihar.org

पुनीता कुमारी

25 जुलाई 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दिल से दी गई शिक्षा समाज
में क्रांति ला सकती है।

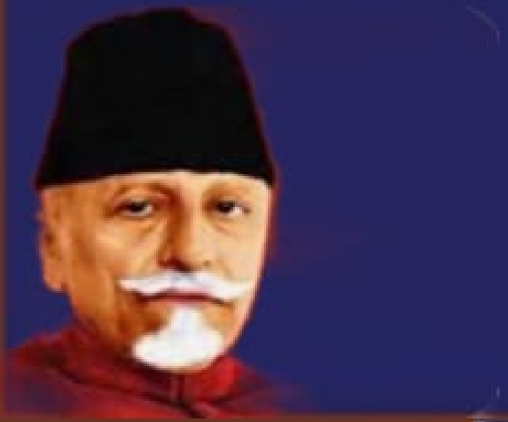

मौलाना अबुल कलाम आजाद

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org